

न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, बांसवाड़ा (राज.)

पीठासीन अधिकारी – प्रकाश चन्द्र शर्मा, IAS

प्रकरण संख्या : 34 / 2022

GCMS रजिस्ट्रेशन नं. : 2022 / 54

प्रार्थी/अपीलार्थी :-

पीरामल केपीटल एण्ड हाउसिंग
फायनेंस. लिमिटेड, शाखा उदयपुर

अप्रार्थी /रेस्पोंडेंट्स:-

1. गीता हरिजन पत्नी श्री कमल हरिजन
निवासी महावीर कॉलोनी, अम्बामाता,
बांसवाडा, म.न. 3-जी 32 शास्त्री नगर,
बांसवाडा
2. कमल हरिजन पुत्र श्री चम्पा लाल
निवासी- महावीर कॉलोनी, अम्बामाता,
बांसवाडा

बनाम

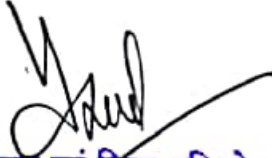
निर्णय

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति
हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002

दिनांक :- 14.09.2022

पीरामल केपीटल एण्ड हाउसिंग फायनेंस. लिमिटेड, शाखा उदयपुर ने प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि 1. गीता हरिजन पत्नी श्री कमल हरिजन निवासी महावीर कॉलोनी, अम्बामाता, बांसवाडा, म.न. 3-जी 32 शास्त्री नगर, बांसवाडा 2. कमल हरिजन पुत्र श्री चम्पा लाल निवासी- महावीर कॉलोनी, अम्बामाता, बांसवाडा (ऋणी/अप्रार्थीगणों) को दिनांक 20-09-2014 को 4,72,695 (चार लाख बहत्तर हजार छः सौ पिच्चानवे रुपया) ऋण राशि स्वीकृत की थी। अप्रार्थीगण नियमित रूप से उक्त ऋण का भुगतान नहीं कर सके और भुगतान के व्यतीक्रम व अतिदेय होने पर दिनांक 11-04-2021 को अक्रियान्वित आरिष्ठ में वर्गीकृत कर दिया है। अप्रार्थीगणों के खाते दिनांक 31-05-2021 को कुल बकाया राशि मय ब्याज 4,59,783 रु. (चार लाख उनसठ हजार सात सौ तियासी रुपया) बकाया है, उक्त राशि एवं तत्पश्चात ब्याज व खर्चें आदि सहित राशि के भुगतान के लिए अप्रार्थीगण जिम्मेदार है। अप्रार्थी ने ऋण राशि व उसके ब्याज के पुर्नभुगतान हेतु सिक्योरिटी के रूप में अपनी अचल सम्पत्ति को रहन किया जिसके अन्तर्गत श्रीमती गीता हरिजन पत्नी श्री कमल हरिजन के नाम की मकान नं. 3-जी 32 शास्त्री नगर, बांसवाडा, में स्थित आवासीय जायदाद मय समस्त पार्ट्स एवं पार्सल बैंक में उपलब्ध रेकार्ड अनुसार क्षेत्रफल 72 वर्ग मीटर है, को बतौर प्रतिभूति स्वरूप बन्धक रखा गया था, उसे आधिपत्य में लेने के लिए तथा उससे सम्बन्धित यदि कोई कागजात ऋणी/गारंटर के पास उपलब्ध हों तो उसे उपलब्ध कराने के लिए सहयोग हेतु निवेदन किया है।



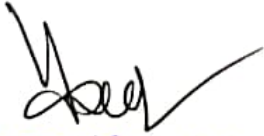

कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
बांसवाड़ा (राज.)

राष्ट्रीय आवास बैंक के पंजीकरण प्रमाण पत्र सं. 01.0014.01 दिनांक 31.07.2001 से 1967 के राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम की धारा 29ए के तहत राष्ट्रीय आवास बैंक को पदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए दीवान हाउसिंग फाइनांस कारपोरेशन लिमिटेड को आवास वित्त संस्थान का व्यापार करते रहने के लिये पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया है। मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स, भारत सरकार द्वारा जारी नाम परिवर्तन के अनुसार निगमन का प्रमाण पत्र (कम्पनी (निगमन) नियम 2014 के नियम 29 के अनुसार) दिनांक 03.09.2021 अनुसार कंपनी का नाम दीवान हाउसिंग फाइनांस कारपोरेशन लिमिटेड से बदल कर पीरामल कंपनी लिमिटेड हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड कर दिया गया है। प्रकरण में 20 प्रतिशत से अधिक एवं 1 लाख से अधिक ऋण बकाया होने के कारण सरफेसी एक्ट 2002 के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने हेतु वित्तीय संस्था पात्र है।

प्रार्थी वित्तीय संस्था द्वारा अधिनियम की धारा 13(2) के तहत दिनांक 16-06-2021 को ऋणी अप्रार्थीगणों को नोटिस दिया गया जिस पर अप्रार्थीगणों/ऋणी ने कोई जवाब या कार्यवाही नहीं की व न ही ऋण राशि जमा नहीं करवाई। प्रार्थी वित्तीय संस्था/बैंक द्वारा अप्रार्थी को दिनांक दिनांक 20-09-2014 को 4,72,695 (चार लाख बहत्तर हजार छः सौ पिच्चानवे रुपया) ऋण स्वीकृत किया गया था। जिसकी एवज में अपनी जायदाद बैंक के पक्ष में बंधक रखी गई थी जिसका वर्णन प्रार्थना पत्र में किया गया है।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगणों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु विधिवत नोटिस दिनांक 14-07-2022 को जारी किये। अप्रार्थी सं. 1 का नोटिस दिनांक 03-08-2022 को बाद तामील प्रस्तुत हुआ एवं अप्रार्थी सं. 2 का नोटिस उसकी मृत्यु हो जाने से अंदम तामील प्रस्तुत हुआ। ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 बावजूद नोटिस तामील अनुपस्थित रहे। वकील प्रार्थी को अप्रार्थी सं. 2 के सन्दर्भ में कायम वारिस मुकाम प्रार्थना पत्र एवं संशोधित उनवान पेश करने पाबंद किया गया। प्रार्थी की ओर से उनके अधिवक्ता द्वारा दिनांक 14.09.2022 को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी सं.2 श्री कमल हरिजन की मृत्यु हो चुकी है तथा प्रकरण से उनका नाम विलोपित करने निवेदन किया। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत उक्त प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी/ ऋणी सं. 2 श्री कमल हरिजन पुत्र श्री चम्पालाल हरिजन निवासी महावीर कोलोनी, अम्बामाता, बॉसवाड़ा का नाम प्रकरण से विलोपित किया जाता है। ऋणी/ अप्रार्थी सं. 1 को न्यायहित में अवसर दिये जाने के उपरांत भी आज पेशी दिनांक 14-09-2022 तक स्वयं अथवा उनके अधिवक्ता अनुपस्थित है। बार बार रुक रुक कर ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 को सायं 04.00 पी.एम तक आवाज लगवाई गई, ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 स्वयं अथवा उनके अधिवक्ता अनुपस्थित रहे है। ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 को समुचित अवसर प्रदान करने के बावजूद जवाब प्रस्तुत नहीं किया एवं अनुपस्थित है। ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 का जवाब बंद किया जाता है एवं एकपक्षीय कार्यवाही




क्लर्क एवं जिला मजिस्ट्रेट
बांसवाड़ा (राज.)

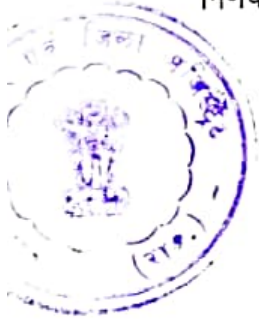
(य) तारीख जिस पर कि हिस्सा 'ए' तलफ किया गया _____


अमल में लाई जाती है। प्रार्थी अधिवक्ता की ओर से प्रस्तुत एकपक्षीय बहस सुनी गई। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा बहस में कथन किया कि ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवाई गई न सुनवाई के दौरान उपस्थित रहे है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार करने निवेदन किया।

हमने एकपक्षीय बहस पर मनन किया पत्रावली का अवलोकन किया। सरफेसी एक्ट 2002 की धारा 14 के तहत वित्तीय संस्था द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य है एवं वित्तीय संस्था को अचल सम्पत्ति का कब्जा लिये जाने हेतु सहयोग प्रदान किया जाना आवश्यक है। यदि नियमों के अनुसार किसी प्रक्रिया/प्रावधान की पालना नहीं की गई है तो समस्त उत्तरदायित्व प्राधिकृत अधिकारी बैंक/वित्तीय संस्था का होगा।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार बांसवाड़ा को निर्देशित किया जाता है कि वह ऋणी/अप्रार्थी सं. 1 गीता हरिजन पत्नी श्री कमल हरिजन निवासी महावीर कॉलोनी, अम्बामाता, बांसवाड़ा, म.न. 3-जी 32 शास्त्री नगर, बांसवाड़ा की उक्त बन्धक स्वरूप सम्पत्ति का कब्जा एवं उससे सम्बन्धित कागजात पीरामल केपीटल एण्ड हाउसिंग फायनेंस. लिमिटेड, शाखा उदयपुर को दिलाने के लिए बैंक/संस्थान को आवश्यक सहयोग प्रदान करे एवं आवश्यक हो तो थानाधिकारी से पुलिस सहयोग प्राप्त करे। जिला पुलिस अधीक्षक से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह सम्बन्धित थानाधिकारी को निर्देश प्रदान करे कि आवश्यकता होने पर वह पुलिस सहायता प्रदान करे।

निर्णय आज दिनांक 14.09.2022 को खुले न्यायालय सुनाया गया।




(प्रकाश चन्द्र शर्मा)
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,
बांसवाड़ा (राज.)
बांसवाड़ा